the Gäzette

श्रसाधारग

EXTRAORDINARY

भाग I--- खण्ड 1

PART I-Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 22, 1972/माघ 2, 1893

No. 17] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 22, 1972/MAGHA 2, 1893

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह भ्रालग संकलन के रूप में रखा जा सक

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compllation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd January 1972

No. 3/2/72-Pub.II.—The President of India learnt with deep regret of the death at 11.00 P.M. on the 18th January 1972 of Dr. Aditya Nath Jha, Lt. Governor of Delhi.

Born on August 18, 1911, Dr. Aditya Nath Jha was educated at Varanasi, Allahabad and Oxford. He topped the list in I.C.S. examination in India in 1934. He spent the probationary period in Oxford and joined the I.C.S. in 1936. He held several important assignments in Uttar Pradesh. He was on deputation to the Foreign and Political Department untill January 1942 when he returned to U.P. to work in the Finance Department and later as Secretary, Agriculture, Flood Relief Commissioner, Development Commissioner and Chief Secretary (1954-58). He was deputed to U.S.A., Berlin and Geneva to attend International Conferences in October-November 1951.

Dr. Jha was the first Vice-Chancellor of the Sanskrit Vishwa Vidyalaya Varanasi and the first Director of the National Academy of Administration, Mussoorie and Director of Training, Government of India (1959-62). Subsequently he worked as Additional Secretary, Planning Commission (1962-63), Secretary, Department of Defence

Production (1963-64), Ministry of Education (1963) and Ministry of Information and Broadcasting (1964-66).

On 1st March 1966, Dr. Jha was appointed as Chief Commissioner, Delhi and later as Lt. Governor with effect from 7th September 1966 in which capacity he served to the very end.

In the death of Dr. Jha, the country has lost an erudite scholar and efficient and experienced administrator. As Lt. Governor, he endeared himself to the people by his sympathetic handling of their problems.

GOVIND NARAIN, Secy.

गृह मंज्ञालय श्रधिसूचना

नई दिल्ली, 22 जनवरी 1972

सं० 3/2/72-पश्लिक II.—भारत के राष्ट्रपित को 18 जनवरी, 1972 को राष्ट्री के ग्यारह बजे दिल्ली के उप राज्यपाल, डा० श्रादित्य नाथ का के देहावसान का धुखद समाचार प्राप्त हुआ।

डा० श्रादित्य नाथ झा का जन्म 18 श्रगस्त, 1911 को हुआ, भीर उन्होंने वाराणसी, इलाहाबाद और श्रावसफ़ोंड में शिक्षा प्राप्त की। सन् 1934 में भारत में हुई भारतीय सिविल सेवा की परीक्षा में उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वे परिक्रीक्षा की श्रविध में श्रावसफ़ोंड मे रहे और सन् 1936 में भारतीय सिविल सेवा में सिम्मिलत हुए। उन्होंने उत्तर प्रदेश में श्रनेक महत्व पूर्ण पवों पर कार्य किया। वे जनवरी, 1942 तक विदेश व राजनीतिक विभाग में प्रतिनियुक्ति पर रहे, और इसके बाद वे उत्तर प्रदेश में गये जहां उन्होंने वित्त विभाग में श्रीर बाद में किया। के सिविष , बाढ़ सहायता श्रायुक्त, विकास श्रायुक्त श्रीर मुख्य सिवष (1954-58) के रूप में कार्य किया। वे श्रक्तूबर, 1951 में श्रन्तर राष्ट्रीय सम्मेलनों में सिम्मिलत होने के लिए संयुक्त राज्य श्रमरीका बलिन श्रीर जनेवा भी भेजे गये।

डा० आ सस्ऋत विषयविद्यालय वाराणसी के सर्वप्रथम उप-कुलपित रहे भौर वे राष्ट्रीय प्रशासन श्रकादमी, मसूरी के प्रथम निदेशक भौर (सन 1959 से 1962 तक) भारत सरकार के प्रशिक्षण निदेशक रहे। इसके बाद उन्होंने भ्रपर सचिव, योजना भ्रायोग (1962-63), सचिव, रक्षा उत्पादन विभाग (1963-64), शिक्षा मंत्रालय (1963) भौर सूचना व प्रसारण मंत्रालय (1964-66) के रूप में कार्य किया।

1 मार्च, 1966 को डा॰ झा दिल्ली के मुख्य स्नायुक्त के रूप में नियुक्त किये गये । इसके बाद 7 सितम्बर, 1966 से वे दिल्ली के उप-राज्यपाल नियुक्त हुए, जिस पद पर वे स्रंतिम क्षण तक कार्य करते रहे।

महान विद्वान और कायकुशल तथा अनुभवी प्रशासक डा० झा को मृत्यु ने हमसे छीन लिया है। उन्होंने उप राज्यपाल के रूप में समस्याओं को सहानुभूति पूर्वक हल करते हुए जनता के हसूस में अपने लिए विशेष स्थान बना लिया है।

गोविंद नारायण, सचिव।